जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित

स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम

सत्र : २०२०-२१

संस्कृत विभाग

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

विषय- संस्कृत, स्नातक पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र विवरण

बी. ए.- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

बी. ए. प्रथम वर्ष	**कुल अङ्क 200**
प्रथम प्रश्नपत्र- गद्य, पद्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	80+20*=100
द्वितीय प्रश्नपत्र- नाटक, अलङ्कार, छन्द एवं संस्कृत में अनुवाद	80+20*=100

बी. ए. द्वितीय वर्ष	**कुल अङ्क 200**
प्रथम प्रश्नपत्र- वेद एवं उपनिषद् तथा वैदिक साहित्य का इतिहास	80+20*=100
द्वितीय प्रश्नपत्र- व्याकरण, आशुपठन, शब्दरूप एवं निबन्ध	80+20*=100

बी.ए. तृतीय वर्ष	**कुल अङ्क 300**
प्रथम प्रश्नपत्र- दर्शन	80+20*=100
द्वितीय प्रश्नपत्र- काव्य एवं काव्यशास्त्र	80+20*=100
तृतीय प्रश्नपत्र- व्याकरण	80+20*=100

नोट- *आन्तरिक मूल्याङ्कन-

बी.ए. प्रथम वर्ष- उद्देश्य

1. गद्य, पद्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास 2. नाटक, अलङ्कार, छन्द एवं अनुवाद

ज्ञानात्मक उद्देश्य-

1. प्राथमिक रूप से संस्कृत साहित्य का ज्ञान-बोध कराना।
2. संस्कृत साहित्य के रचनाकार एवं उनके द्वारा प्रणीत ग्रन्थों के विषय में संक्षिप्त परिचय कराना।
3. काव्य के भेदों से छात्रों को परिचित कराना।
4. काव्य में प्रयुक्त छन्द एवं अलङ्कारों के प्रयोग का ज्ञान कराना।
5. पद्य की छन्दोमयता का परिज्ञान।

भावात्मक उद्देश्य-

1. संस्कृत पद्यों की गीतात्मकता का परिचय कराना।
2. सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के भावात्मक अर्थों का बोध कराना।
3. नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष हेतु ज्ञान साहित्य-अध्ययन से देश, राष्ट्र, व्यक्ति एवं मानव जाति के प्रति प्रेम का उदात्तीकरण।
4. वैयक्तिक एवं सामाजिक कल्याणपरक उपदेशों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
5. छात्रों को कर्तव्याकर्तव्य का बोध कराना।

क्रियात्मक उद्देश्य-

1. अभिनय के चारों तत्त्वों (वाचिक, आङ्गिक, आहार्य एवं सात्विक) से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. संस्कृत में अनुवाद-कौशल का विकास करना।
3. नवीन एवं क्लिष्ट पदों की बोधगम्यता हेतु शब्द कोश का परिज्ञान।
4. साहित्य की रचनाओं एवं रचनाकरों को सूचीबद्ध करने की क्षमता उत्पन्न करना।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

बी.ए. प्रथम वर्ष

सत्र : 2020-21 से प्रभावी

बी.ए. प्रथम वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

गद्य, पद्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) (अनुवाद, व्याख्या, सूक्तियाँ एवं सर्ग-सारांश) 20

इकाई द्वितीय- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) (अनुवाद, व्याख्या, सूक्तियाँ एवं सर्ग-सारांश) 20

इकाई तृतीय- शुकनासोपदेशः (अनुवाद, सूक्तियाँ एवं सारांश) 20

इकाई चतुर्थ- संस्कृत साहित्य का परिचयात्मक इतिहास 20

कवि एवं रचनाएँ-

वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भारवि, भास, माघ, बाण, दण्डी, शूद्रक,

भवभूति, अश्वघोष, सोमदेव, क्षेमेन्द्र, भर्तृहरि, राजशेखर, सुबन्धु, श्रीहर्ष।

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

बी.ए. प्रथम वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

नाटक, अलङ्कार, छन्द एवं अनुवाद

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से तृतीय अङ्क तक) 20

इकाई द्वितीय- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ से सप्तम अङ्क तक) 20

इकाई तृतीय- अलङ्कार (साहित्यदर्पण से) 20

(अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, अनन्वय, रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान्, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, तुल्ययोगिता, दीपक, प्रतिवस्तूपमा, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति)

इकाई चतुर्थ- 20

(क) छन्द- (छन्दोमञ्जरी से)

(अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, भुजङ्गप्रयात, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मन्द्राक्रान्ता, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्त्रग्धरा, आर्या)

(ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) भूमिका निर्वाह – समूह परिचर्चा

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

सहायक ग्रन्थ सूची

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, राम नरायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर, 2000ई.।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् डॉ. रमाशङ्कर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, निर्णयसागर संस्करण।
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार 1999 ई.।
5. अलङ्कार एवं छन्द समीर आचार्य, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर, प्रथम सं 1996ई.
6. किरातार्जुनीयम् कान्ता भाटिया, गोरखपुर 2016 ई.।
7. किरातार्जुनीयम् डॉ. बलवान सिंह यादव, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 2008ई
8. कुमारसम्भवम् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान 2003 ई.।
9. कुमारसम्भवम् श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
10. कुमारसम्भवम् डॉ. मानवती सिंह, डिस्काउण्ट ग्रुप आफ पब्लिकेशन, 2016 ई.।
11. छन्दोऽलङ्कारकौमुदी डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
12. छन्दोऽलङ्कारप्रभा डॉ. जय कुमार जैन
13. छन्दोऽलङ्कारसौरभम् प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
14. प्रा. रचनानुवादकौमुदी डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16. रचनानुवादकौमुदी डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
17. शुकनासोपदेशः डॉ. मानवती सिंह, डिस्काउण्ट ग्रुप आफ पब्लिकेशन, 2016 ई.।
18. शुकनासोपदेशः रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार मेरठ।
19. शुकनासोपदेशः डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
20. शुकनासोपदेशः प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर 2002 ई.।
21. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी।
22. संस्कृत सुकवि समीक्षा डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
23. साहित्यदर्पणः डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार
24. साहित्यदर्पणः साहित्याचार्य शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

बी. ए. द्वितीय वर्ष- उद्देश्य

1. वेद एवं उपनिषद् 2. व्याकरण, आशुपठन एवं निबन्ध

ज्ञानात्मक उद्देश्य-

1. वैदिक साहित्य एवं वैदिक संस्कृति का ज्ञान प्रदान कराना।
2. उपनिषद् का परिचय एवं निहित उपदेशों का ज्ञान कराना।
3. संहिता, सूक्त, ऋषि तथा देवता के परिचय के साथ ही साथ वैदिक मन्त्रों के उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित का ज्ञान कराना।
4. व्याकरण के तत्त्वों- माहेश्वर सूत्र, उपसर्ग, प्रकृति-प्रत्यय, स्थान, प्रयत्न, प्रत्याहार, सन्धि समास इत्यादि का ज्ञान कराना।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध-लेखन की क्षमता उत्पन्न करना।

भावात्मक उद्देश्य-

1. वेद में देवपरक स्तुतियों एवं प्रार्थनाओं में निहित भावों का बोध कराना।
2. सूक्तों में वर्णित सामाजिक, भौतिक एवं आध्यात्मिक भावों का बोध कराना।
3. औपनिषदिक कर्म, संयम, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. वर्णोच्चारण की शुद्धता का परिज्ञान कराना।
5. संस्कृति के प्रति अभिरुचि उत्पन्न कराना, पद्य कथाओं के द्वारा प्रकृति से तादात्म्यीकरण स्थापित कराना।

क्रियात्मक उद्देश्य-

1. स्वर एवं व्यञ्जन को समझकर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न कराना।
2. उपदेशपरक एवं नीतिपरक सुगम पाठ को समझकर जीवन में आचरण करने की क्षमता का निष्पादन।
3. वैदिक सन्देशों को आचरण में लाने की क्षमता।
4. संस्कृत में निबन्ध लेखन के माध्यम से संस्कृत भाषा में वाक्य-विन्यास कौशल का विकास करना।
5. पत्र-लेखन, संवाद-लेखन तथा सम्भाषण की योग्यता प्रदान करना।

बी. ए.- द्वितीय वर्ष
सत्र : 2021-22 से प्रभावी

बी.ए. द्वितीय वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

वेद एवं उपनिषद् तथा वैदिक साहित्य का इतिहास

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- **ऋग्वेद संहिता-** अग्निसूक्त 1.1, विष्णुसूक्त 1.154, इन्द्रसूक्त 2.12, **20**

वरुणसूक्त 7.86, पुरुषसूक्त 10.90, प्रजापतिसूक्त 10.121, वाक्सूक्त 10.125

इकाई द्वितीय- यजुर्वेद संहिता- शिवसङ्कल्पसूक्त (माध्यन्दिन, अध्याय-34, कण्डिका- 1-6) **20**

अथर्ववेद संहिता- सांमनस्यसूक्त 6.64,

पृथिवीसूक्त 12.1, (1-5, 8-12, 15 एवं 45 मन्त्र)

इकाई तृतीय- कठोपनिषद्- प्रथम अध्याय (सम्पूर्ण) **20**

इकाई चतुर्थ- वैदिक साहित्य का इतिहास- चारों वेद, वेदाङ्ग, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् **20**

आन्तरिक मूल्याङ्कन- **20**

(अ) मौखिक उच्चारण (मन्त्रों का)

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

बी.ए. द्वितीय वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

व्याकरण, आशुपठन, शब्दरूप एवं संस्कृत में निबन्ध

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा प्रकरण एवं अच् सन्धि प्रकरण पर्यन्त) 20

इकाई द्वितीय- लघुसिद्धान्तकौमुदी (हल् सन्धि एवं विसर्ग सन्धि प्रकरण पर्यन्त) 20

इकाई तृतीय- 20

(क) नीतिशतकम् (प्रारम्भ से 50 पद्य)

(ख) शब्दरूप- राम, सर्व, मति, हरि, सखि, भानु, पितृ, गो, रमा, स्त्री, वधू, ज्ञान एवं वारि ।

इकाई चतुर्थ- 20

(क) हितोपदेशः (मित्रलाभः)

(ख) संस्कृत निबन्ध

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) वर्ण एवं पद व्युत्पत्ति से उच्चारण दोष

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

सहायक ग्रन्थ सूची

1. कठोपनिषद् डॉ. राजकुमार उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
2. कठोपनिषद् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर, 2004 ई.
3. धातुरूपकौमुदी डॉ. राजेश्वर शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
4. नीतिशतकम् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, निर्णयसागर एवं चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
5. न्यू वैदिक सेलेक्शन तैलङ्ग एवं चौबे
6. बालनिबन्धमाला वासुदेव द्विवेदी
7. भर्तृहरिशतकम् स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती, सुबोध पब्लिकेशन संस्करण 2016ई.
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आ. रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुर., वाराणसी
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, (विसर्ग सन्धि पर्यन्त)
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली 2018 ई.।
12. वेदचयनम् विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. वैदिक साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला।
14. वैदिक व्याकरण सत्यव्रत शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
15. वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार प्रकाशन, 1995 ई.।
16. वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
17. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी।
18. सूक्त सङ्कलन प्रो. विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
19. सूक्त सङ्कलन डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर, 2004 ई।
20. संस्कृत निबन्धावली डॉ. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
21. संस्कृत निबन्ध सुधा डॉ. राधेश्याम गङ्गवार, नागराज प्रकाशन।
22. संस्कृत व्याकरण डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।

बी. ए. तृतीय वर्ष- उद्देश्य

दर्शन, साहित्य एवं व्याकरण

ज्ञानात्मक उद्देश्य-

1. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों के चिन्तन हेतु छात्रों को प्रेरित करना।
2. विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता का विकास करना।
3. साहित्य शास्त्रीय तत्त्वों से विद्यार्थियों को परिचित करना।
4. काव्य विधा के शास्त्रीय पक्षों के साथ संयोजित करने की क्षमता का विकास।
5. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के साथ ही साथ विशेष रूप से समाज का ज्ञान कराना।
6. विद्यार्थियों को व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि-प्रक्रिया से परिचित कराना

भावात्मक उद्देश्य-

1. दार्शनिक तत्त्वों में छिपे रहस्य-बोध की क्षमता का विकास।
2. मानव कल्याणार्थ दार्शनिक तत्त्वों के प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।
3. साहित्य के भाव एवं कला पक्ष से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. साहित्य शास्त्र के भावपक्ष के अवगमन की क्षमता का विकास।
5. व्याकरण के संरचनात्मक अवरोध का विकास।

क्रियात्मक उद्देश्य-

1. भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में लाने के लिए प्रेरित करना।
2. दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याण परक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा।
3. काव्यशास्त्रीय ज्ञान के आधार पर रचनात्मक क्षमता उत्पन्न करना।
4. संस्कृत में वाक्य संरचनात्मक क्षमता का विकास करना।
5. संस्कृत सम्भाषण एवं समाचार पत्र वाचन की क्षमता का विकास करना।

बी. ए.- तृतीय वर्ष

सत्र : 2022-23 से प्रभावी

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / प्रथम प्रश्नपत्र

दर्शन

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- तर्कसङ्ग्रहः (अन्नम्भट्टकृत) (कारिका, आलोचनात्मक प्रश्न) 20

इकाई द्वितीय- श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय एवं तृतीय अध्याय), (अनुवाद, आलोचनात्मक प्रश्न) 20

इकाई तृतीय- ईशावास्योपनिषद् (अनुवाद, आलोचनात्मक प्रश्न) 20

इकाई चतुर्थ- भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय 20

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) नैतिक ज्ञान एवं तर्कशक्ति विकास पारिभाषिक उपदेश- दर्शन

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / द्वितीय प्रश्नपत्र

काव्य एवं काव्यशास्त्र

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) (अनुवाद, व्याख्या, सूक्ति एवं आलोचनात्मक प्रश्न) 20

इकाई द्वितीय- शिवराजविजयम् (प्रथम विराम का प्रथम निःश्वास) 20

(अनुवाद, सूक्ति एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

इकाई तृतीय- साहित्यदर्पणः (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद) 20

इकाई चतुर्थ- साहित्यदर्पणः (तृतीय परिच्छेद कारिका 28 तक, पारिभाषिक शब्दों के लक्षण, 20

वस्तुभेद, नायकभेद, अर्थप्रकृति, कार्यावस्था, पञ्चसन्धि, रूपकभेद परिचय)

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) साहित्य शास्त्रीय सौन्दर्य तत्त्व वस्तुनिष्ठ

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

बी.ए. तृतीय वर्ष / संस्कृत / तृतीय प्रश्नपत्र

व्याकरण

80+20=100

निर्देश :

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पाँच-पाँच अङ्कों के लिए दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिसमें कुल चार प्रश्न (200 शब्द) करने होंगे। द्वितीय खण्ड 60 अङ्कों का होगा। इसमें सभी इकाइयों से सम्बद्ध पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के लिए दो-दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जिनमें प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (500 शब्द) करने होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।

इकाई प्रथम- लघुसिद्धान्तकौमुदी- अजन्त शब्दों की रूपसिद्धि (राम, हरि, सर्व, रमा एवं ज्ञान) 20

इकाई द्वितीय- लघुसिद्धान्तकौमुदी- (किम्, तत्, इदम्, युष्मद् एवं अस्मद्) 20

इकाई तृतीय- लघुसिद्धान्तकौमुदी- समास प्रकरण 20

इकाई चतुर्थ- 20

(क) अधोलिखित तद्धितप्रत्ययों का सोदाहरण ज्ञान-

अपत्यार्थ- अण्, ढक् एवं यत्

रूक्ताद्यर्थक- अण् एवं तल्

शैषिक- अण्, घ, ख, य, खञ्, ढक्, यत् एवं छ

भावार्थ एवं कर्मार्थ- त्व, तल् एवं ष्यञ्

मत्वर्थीय- मतुप् एवं ठन्

प्राग्दिशीय- तसिल्

(ख) अधोलिखित कृत् प्रत्ययों का सोदाहरण ज्ञान-

तव्यत्, अनीयर्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, क्तिन्, क्त्वा एवं ल्यप्

आन्तरिक मूल्याङ्कन- 20

(अ) संज्ञा एवं सर्वनाम तथा समास युक्त पदों का ज्ञान- पद रचना

(ब) सत्रीय वार्षिक कार्य विवरण आदि

सहायक ग्रन्थ सूची

1. ईशावास्योपनिषद् डॉ. शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. ईशावास्योपनिषद् गीताप्रेस, गोरखपुर।
3. गीता रहस्य लोकमान्य तिलक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. तर्कसग्रह डॉ. केदार नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन दत्ता एवं चटर्जी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. भारतीय दर्शन डॉ. सङ्गम लाल पाण्डेय, इलाहाबाद टैगोर टाउन।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आ. रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुर., वाराणसी
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली 2018 ई.।
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी।
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी डॉ. रमणकुमार शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी पं. गोमती प्रसाद शास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. शिवराजविजयम् डॉ. रमाशङ्कर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
14. शिवराजविजयम् डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. शिवराजविजयम् डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1994 ई.।
16. शिशुपालवधम् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर, 2004 ई।
17. शिशुपालवधम् प्रो. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002 ई.।
18. समासप्रकरणम् डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर।
19. सर्वदर्शन सङ्ग्रह माधवाचार्य
20. साहित्यदर्पणः साहित्याचार्य शालिग्राम शास्त्री
21. साहित्यदर्पणः डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार
22. साहित्यदर्पणः डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी, 2015 ई.।
23. साहित्यदर्पणः डॉ. राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।